स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022

बी.एच.डी.ई.-141 : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) बाँस की टहनी-सी लचक वाली,
बाप की छाती पर साँप-सी लोटती
सपनों में
काली छाया-सी डोलती
सात भाइयों के बीच
चंपा सयानी हुई ।
ओखल में धान के साथ
कूट दी गई
भूसी के साथ कूड़े पर/फेंक दी गई ।

(ख) स्वाभाव आखिर अनल तो
अपना बता ही देगा बता ही देगा ।
धधकती आग में धुंधकारी सरीखे
कब तक खड़े रहेंगे ?
नहीं उचित है, निर्बल को
अब तो सताना, दु:सह दुखों को देना ।

(ग) जीवन में विकास के लिए दूसरों से सहायता लेना बुरा नहीं; परन्तु किसी को सहायता दे सकने की क्षमता न रखना अभिशाप है । सहयात्री वे कहे जाते हैं, जो साथ चलते हैं; कोई अपने बोझ को सहयात्री कहकर अपना उपहास नहीं करा सकता ।

(घ) ऐसा न था
कि पहले मेरे पास
बोलने को मुँह में शब्द न थे
या फिर सुनने को कान
थी तो केवल
हथेली पर खिंची
श्रम की रेखाएँ

(ङ) जो बात-बात में
बात करे लाठी-डंडे की
निकाले तीर-धनुष कुल्हाड़ी
जब चाहे चला जाए बंगाल, आसाम, कश्मीर
ऐसा वर नहीं चाहिए मुझे

(च) मारे थानेदरवा बोलाइ, घरवा से हमें,
झूठइ बनावें गुनहगार ।
जेलवा में मलवा उठावै मजबूर करैं,
केउ नहिं सुनत गोहार

2. दलित चिन्तन के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए । *16*

3. स्त्री-विमर्श के उद्देश्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । *16*

4. स्त्री मुक्ति आंदोलन का विवेचन कीजिए । *16*

5. आदिवासी साहित्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए । *16*

6. 'धूणी तपे तीर' उपन्यास के आधार पर आदिवासी अस्तित्व के संघर्ष पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । *16*

7. 'सोनवा के पिंजरा' के आधार पर माता प्रसाद की भाषा और शिल्प का मूल्यांकन कीजिए । *16*

8. 'दलित चिंतन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर' निबंध का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए । *16*

9. 'मुर्दहिया' के आधार पर दलितों के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । *16*